Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two-day National Seminar on

'Education for Sustainable Development: From Promises to Action'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 14-06-2022**

भारतीय ज्ञान परंपरा की पोषक है राष्ट्रीय शिक्षा नीति : प्रो. आरपी

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत, मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए पंजाब विवि के कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ में सतत विकास के लिए शिक्षा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हुआ। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरपी तिवारी ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) नोएडा की अध्यक्ष प्रो. सरोज शर्मा ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस दौरान प्रो. आरपी तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा की पोषक है।

विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ की ओर से भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित इस दो दिवसीय संगोष्ठी की शुरूआत शैक्षणिक खंड चार स्थित सम्मेलन कक्ष में दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इस दौरान विश्वविद्याल.य के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति आ चुकी है। ऐसे में बेहद जरूरी है कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था का विकास हो, जो सतत विकास की पोषक हो। उन्होंने शिक्षा पीठ के इस आयोजन को समसामयिक बताते हुए कहा कि आज मातृभाषा में शिक्षा, कौशल विकास केंद्रित शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है, जो हमें सतत विकास के मार्ग पर अग्रसर करेगी। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय दृढ़ संकल्प है। प्रयास है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु हम ऐसे युवाओं को तैयार करें जो कि देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. सरोज शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के पुरातन भारतीय स्वरूप का उल्लेख कर उसकी उपयोगिता और आज के समय में उसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

प्रो. आरपी तिवारी को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

कार्यक्रम के आंरभ में स्वागत भाषण शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने दिया जबकि दो दिवसीय संगोष्ठी की रूपरेखा विभाग के प्रो. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ. आरती यादव ने किया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. आनंद शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संगोष्ठी के आयोजन में डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव, डॉ. खेराज, डॉ. किरण रानी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 14-06-2022**

भारतीय ज्ञान परंपरा की पोषक है राष्ट्रीय शिक्षा नीति : प्रो. आरपी

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की हुई शुरूआत

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ।

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में सतत विकास के लिए शिक्षा पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरपी तिवारी ने शिरकत की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), नोएडा की अध्यक्ष प्रो. सरोज शर्मा ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित इस 2 दिवसीय संगोष्ठी की शुरूआत शैक्षणिक खंड चार स्थित सम्मेलन कक्ष में दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि आज जबकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति आ चुकी है, ऐसे में बेहद जरूरी है कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था का विकास हो जो कि सतत विकास की पोषक हो। उन्होंने शिक्षा पीठ के इस आयोजन को समसामयिक बताते हुए कहा कि आज मातृभाषा में शिक्षा, कौशल विकास केंद्रित शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है जो कि हमें सतत विकास के मार्ग पर अग्रसर करेगी। विशिष्ट अतिथि प्रो. सरोज शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के पुरातन भारतीय स्वरूप का उल्लेख कर उसकी उपयोगिता और आज के समय में उसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी ने भारतीय सभ्यता के विकास और उसमें वर्णित शिक्षा परम्परा का उल्लेख करते हुए मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में बदलावों और उनकी उपयोगिता पर विस्तार से अपनी बात रखी।

कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने दिया। जबकि दो दिवसीय संगोष्ठी की रूपरेखा विभाग के प्रो. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ. आरती यादव ने किया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. आनंद शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संगोष्ठी के आयोजन में डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेनू यादव, डॉ. खेराज, डॉ. किरण रानी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

हकेंवि के विद्यार्थियों ने आईटीसी ग्रैंड भारत होटल का शैक्षणिक भ्रमण किया

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

आतिथ्य उद्योग में जबरदस्त वृद्धि को देखते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय होटल इस क्षेत्र के विकास में भारी मात्रा में निवेश कर रहे हैं। इसके लिए प्रशिक्षित जनशक्ति की बहुत बड़ी आवश्यकता है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल के मुताबिक, हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री अगले 10 सालों में करीब 80 लाख नए रोजगार सृजित करेगी। उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए, कई संस्थान और विश्वविद्यालय डिप्लोमा से लेकर मास्टर डिग्री तक के विभिन्न होटल प्रबंधन पाठ्यक्रम प्रदान कर रहे हैं। हकेंवि, महेंद्रगढ़ का पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय देश के प्रमुख संस्थानों में से एक है जो होटल प्रबंधन और पर्यटन प्रबंधन में दो साल की मास्टर डिग्री प्रदान कर रहा है। विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। आतिथ्य उद्योग के तंत्र की बेहतर समझ के लिए, विभाग में समय-समय पर विशेषज्ञ व्याख्यान, सेमिनार के साथ-साथ औद्योगिक यात्राओं का आयोजन करता है। इसी क्रम में हकेंवि के पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों ने आईटीसी ग्रैंड भारत होटल, गुरूग्राम का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर आईटीसी ग्रैंड भारत होटल, गुरूग्राम की शिक्षण और विकास प्रबंधक अंजना ने विद्यार्थियों को उन्हें होटल की वास्तुकला, इसकी सेवाओं, सुविधाओं और होटल द्वारा अपनाई गई विभिन्न स्थायी प्रथाओं के बारे में जानकारी दी। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को होटल के परिचालन क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न पक्षों की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। भ्रमण के दौरान छात्रों ने रेवाड़ी लोको स्टीम लोको संग्रहालय का भी दौरा किया। प्रशिक्षण और प्लेसमेंट समन्वयक सुश्री शिखा एवं सहायक आचार्य ने भ्रमण के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

आईटीसी ग्रैंड भारत होटल, गुरूग्राम के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थी एवं शिक्षक।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-06-2022**

'ज्ञान परम्परा की पोषक है राष्ट्रीय शिक्षा नीति'

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) में सतत विकास के लिए शिक्षा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हो गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरपी तिवारी ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), नोएडा की अध्यक्ष प्रो. सरोज शर्मा आनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुई। अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति आ चुकी है, ऐसे में बेहद जरूरी है कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था का विकास हो, जो सतत विकास की पोषक हो। विशिष्ट अतिथि प्रो. सरोज शर्मा ने शिक्षा के पुरातन भारतीय स्वरूप की उपयोगिता और आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी ने भारतीय सभ्यता के विकास और उसमें वर्णित शिक्षा परम्परा का उल्लेख करते हुए मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में बदलावों और उनकी उपयोगिता पर विस्तार से अपनी बात रखी। प्रो. तिवारी ने अंग्रेजी शासन के दौरान आए बदलावों का उल्लेख करते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर ध्यान आकर्षित किया।। कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने दिया, जबकि संगोष्ठी की रूपरेखा प्रो. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी की आयोजन सचिव डा. आरती यादव ने किया। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. आनंद शर्मा, डा. जितेंद्र कुमार, डा. दिनेश चहल, डा. रेनु यादव, डा. खेराज, डा. किरण रानी मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 14-06-2022**

शिक्षा पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि. में सतत विकास के लिए शिक्षा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हो गया। इस आयोजन में मुख्यातिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. आरपी तिवारी ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) नोएडा की अध्यक्ष प्रो. सरोज शर्मा ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 14-06-2022**

TWO-DAY NATIONAL SEMINAR STARTS AT CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA

MAHENDERGARH(TIT NEWS): The two-day National Seminar on Education for Sustainable Development started on Monday at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Prof. R. P.Tiwari, Vice Chancellor, Central University of Punjab attended the program as the Chief Guest, while Prof. Saroj Sharma, Chairperson, National Institute of Open Schooling (NIOS), Noida, joined as Guest of Honour. The program was presided over by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana. Sponsored by the Indian Council of Social Science Research (ICSSR) and organised by the School of Education of the University, the two-day seminar began with the lightening of the lamp and the Kulgeet of the University. Prof. Tankeshwar Kumar said that today when the National Education Policy has come, it is very important that such an education system should be developed which is conducive to sustainable development. He said that today emphasis is being laid on mother tongue-based education, skill development focused education, which will lead us to the path of sustainable development. Prof. Tankeshwar Kumar said that the University is determined for the successful implementation of the NEP and it is our endeavour to prepare such youths who take an active part in the development of the country in order to achieve the goals of the National Education Policy. Prof. Saroj Sharma mentioned that the ancient Indian form of education, highlighted its usefulness and its need in today's time. She mentioned the ongoing changes on the education front through various examples and emphasized on skill development as well as value education. Prof. Saroj Sharma told 'Sarve Bhavantu Sukhinah' as the basic aim of education. Prof. R.P. Tiwari referring to the development of Indian civilization and the education tradition described in it. He spoke in detail on the changes in the existing education system and their utility. He said that the Gurukul tradition of India always teaches the lesson of considering the whole world as one. The result of the same education tradition was that India was the centre of education in ancient times. In his address, referring to the changes brought in the education system during the British rule, Prof. Tiwari also drew attention to the new National Education Policy and said that this education policy is the nurturer of the Indian knowledge tradition and the ancient education system. He drew the attention of the participants to the opportunities for multidisciplinary approach, skill development and sustainable development provided in the New Education Policy. He appreciated the efforts made under the guidance of Prof. Tankeshwar Kumar and said that the University will definitely ensure the successful implementation of the education policy. At the beginning of the program, welcome speech was given by Prof. Sarika Sharma, Dean of School of Education while the outline of the two-day seminar was given by Prof. Pramod Kumar. At the end of the program, the vote of thanks was given by the organizing secretary of the seminar, Dr. Aarti Yadav. The Registrar of the University, Prof. Sunil Kumar; Prof. Ranjan Aneja, Prof. Anand Sharma were prominently present in this event. Dr. Jitendra Kumar, Dr. Dinesh Chahal, Dr. Renu Yadav, Dr. Kheraj, Dr. Kiran Rani played an important role in organizing the seminar.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 14-06-2022**

हकेंवि में 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत

भारतीय ज्ञान परम्परा की पोषक है राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः प्रो. आर.पी. तिवारी

-मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति

महेंद्रगढ़, 13 जून (परमजीत/ मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सतत विकास के लिए शिक्षा पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हो गया।

इस आयोजन में मुख्यातिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी ने शिरकत की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एन. आई. ओ. एस.), नोएडा की अध्यक्ष प्रो. सरोज शर्मा ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित इस 2 दिवसीय संगोष्ठी की शुरूआत शैक्षणिक खंड चार स्थित सम्मेलन कक्ष में दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि आज जबकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति आ चुकी है, ऐसे में बेहद जरूरी है कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था का विकास हो जो कि सतत विकास की पोषक हो।

उन्होंने शिक्षा पीठ के इस आयोजन को समसामयिक बताते हुए कहा कि आज मातृभाषा में शिक्षा, कौशल विकास केंद्रित शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है जो कि हमें सतत विकास के मार्ग पर अग्रसर करेगी।

(ऊपर) संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो. आर.पी. तिवारी को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, (नीचे) संगोष्ठी को संबोधित करते प्रो. आर.पी. तिवारी।

सर्वे भवन्तु सुखिनः शिक्षा का मूल उद्देश्य : प्रो. सरोज शर्मा

उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय दृढ़ संकल्प है और हमारी कोशिश है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु हम ऐसे युवाओं को तैयार करें जो कि देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. सरोज शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के पुरातन भारतीय स्वरूप का उल्लेख कर उसकी उपयोगिता और आज के समय में उसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से शिक्षा के मोर्चे पर जारी बदलावों का उल्लेख किया और कौशल विकास के साथ-साथ वैल्यू एजुकेशन पर जोर दिया। प्रो. सरोज शर्मा ने सर्वे भवन्तु सुखिनः को शिक्षा को मूल उद्देश्य बताया।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रो. आर.पी. तिवारी ने भारतीय सभ्यता के विकास और उसमें वर्णित शिक्षा परम्परा का उल्लेख करते हुए मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में बदलावों और उनकी उपयोगिता पर विस्तार से अपनी बात रखी।

उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम् का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की गुरुकुल परम्परा सदैव ही समूचे विश्व को एक मानने का पाठ पढ़ाती है। उसी शिक्षा परम्परा का परिणाम था कि भारत पुरातन काल में शिक्षा का केंद्र था।

विश्वविद्यालय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन को अवश्य ही सुनिश्चित करेगा

प्रो. तिवारी ने अपने संबोधन में शिक्षा व्यवस्था में अंग्रेजी शासन के दौरान आए बदलावों का उल्लेख करते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर भी ध्यान आकर्षित किया और कहा कि यह शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परम्परा और पुरातन शिक्षा व्यवस्था की पोषक है।

उन्होंने नई शिक्षा नीति में दिए गए मल्टीडिस्प्लिनरी व्यवस्था, कौशल विकास और सतत विकास के अवसरों की ओर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में जारी विभिन्न प्रयासों की सराहना की और कहा कि अवश्य ही विश्वविद्यालय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगा।

कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने दिया जबकि 2 दिवसीय संगोष्ठी की रूपरेखा विभाग के प्रो. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ. आरती यादव ने किया।

इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. आनंद शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संगोष्ठी के आयोजन में डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव, डॉ. खेराज, डॉ. किरण रानी ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 15-06-2022**

कार्यशालाओं, संगोष्ठियों से सीखने को मिलता है कुछ नया : प्रो. टंकेश्वर

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन पर उपस्थित लोगों को कुलपति ने किया संबोधित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सतत विकास के लिए शिक्षा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को समापन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर उपस्थित मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन सदैव कुछ नया सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों व सम्मेलनों के माध्यम से सदैव कुछ नया सीखने का अवसर प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण कराई गई। कुलपति ने सभागार में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को मानवन जाति की रक्षा के लिए रक्तदान करने का संकल्प दिलाया।

मुख्यातिथि प्रो. जेपी यादव को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के कुलपति प्रो. जेपी यादव ने शिरकत की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रमेश प्रसाद पाठक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. जेपी यादव ने सतत विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके लिए संतुलित ढंग से विस्तृत कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ना होगा और सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय स्तर पर विशेष प्रयास करने होंगे। उन्होंने इस मौके पर जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला। प्रो. यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सर्वांगीण विकास व बहुविकल्पीय अवसर उपलब्ध कराती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं में शिक्षा के प्रचार-प्रसार, कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा को संरक्षित करने के प्रयासों को महत्त्वपूर्ण है। इसके माध्यम से सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। संगोष्ठी के समापन सत्र में विशिष्ट अतिथि प्रो. रमेश प्रसाद पाठक ने भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका अध्ययन करने पर ही हमें सतत विकास का मार्ग प्राप्त होता है। आज जरूरत है कि इंडिया को भारत बनाया जाए।

समापन सत्र की शुरुआत में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जबकि जबकि दो दिवसीय संगोष्ठी की रिपोर्ट डॉ. आरती यादव ने दिया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में करीब 70 फुल पेपर प्राप्त हुए और 67 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने पेपर्स प्रस्तुत भी किए। इस अवसर पर संगोष्ठी का प्रतिवेदन भी जारी किया गया। शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. प्रमोद कुमार ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया जबकि प्रो.जेपी यादव का परिचय डॉ.दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. खेराज ने किया। संगोष्ठी के आयोजन में डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव, डॉ. किरण रानी सहित शिक्षा पीठ के सभी शिक्षकों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 15-06-2022**

जीवन पर्यंत विकास में शिक्षा की महत्त्वपूर्ण भूमिका : वीसी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में सतत विकास के लिए शिक्षा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को सफल समापन हो गया। संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के कुलपति प्रो. जेपी यादव ने शिरकत की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रमेश प्रसाद पाठक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित इस दो दिवसीय संगोष्ठी के समापन सत्र की शुरूआत शैक्षणिक खंड चार स्थित सम्मेलन कक्ष में विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों व

दो दिवसीय संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

सम्मेलनों के माध्यम से सदैव कुछ नया सीखने का अवसर प्राप्त होता है। शैक्षणिक संस्थानों में इस आयोजनों की महत्ता सतत विकास के लिए जारी प्रयासों को बल प्रदान करती है। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. जेपी यादव ने सतत विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके लिए संतुलित ढंग से विस्तृत कार्य योजना के साथ आगे बढ़ना होगा और सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरण के स्तर पर विशेष प्रयास करने होंगे। संगोष्ठी के समापन सत्र में विशिष्ट अतिथि प्रो. रमेश प्रसाद पाठक ने अपने संबोधन में भारतीय ज्ञान परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका अध्ययन करने पर ही हमें सतत विकास का मार्ग प्राप्त होता है। समापन सत्र की शुरुआत में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में करीब 70 फुल पेपर प्राप्त हुए और 67 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने पेपर्स प्रस्तुत भी किए। इस अवसर पर संगोष्ठी का प्रतिवेदन भी जारी किया गया। शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. प्रमोद कुमार ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया जबकि प्रो.जेपी यादव का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. खेराज ने किया। संगोष्ठी के आयोजन में डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव, डॉ. किरण रानी सहित शिक्षा पीठ के सभी शिक्षकों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 15-06-2022**

जीवनपर्यन्त रहेगी विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. जेपी यादव

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सतत विकास के लिए शिक्षा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को सफल समापन हो गया। संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के कुलपति प्रो. जेपी यादव ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रमेश प्रसाद पाठक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए आयोजकों की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन सदैव कुछ नया सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों व सम्मेलनों के माध्यम से सदैव कुछ नया सीखने का अवसर प्राप्त होता है। शैक्षणिक संस्थानों में इस आयोजनों की महत्ता सतत विकास के लिए जारी प्रयासों को बल प्रदान करती है। कुलपति ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को लक्ष्य निर्धारित कर समय का सदुपयोग शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा व प्रकृति की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण कराई गई। कुलपति ने सभागार में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को मानव जाति की रक्षा के लिए रक्तदान करने का संकल्प दिलाया।प्रो. जेपी यादव ने सतत विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके लिए संतुलित ढंग से विस्तृत कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ना होगा और सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय स्तर पर विशेष प्रयास करने होंगे। उन्होंने इस मौके पर जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया, जबकि जबकि दो दिवसीय संगोष्ठी की रिपोर्ट डा. आरती यादव ने दिया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में करीब 70 फुल पेपर प्राप्त हुए और 67 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने पेपर्स प्रस्तुत भी किए। इस अवसर पर संगोष्ठी का प्रतिवेदन भी जारी किया गया। शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. प्रमोद कुमार ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया, जबकि प्रो.जेपी यादव का परिचय डा.दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन डा. खेराज ने किया। संगोष्ठी के आयोजन में डा. जितेंद्र कुमार, डा. दिनेश चहल, डा. रेनु यादव, डा. किरण रानी सहित सभी शिक्षकों ने भूमिका अदा की।

संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. जे.पी.यादव को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 15-06-2022**

हकेंवि में दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सतत विकास के लिए शिक्षा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को सफल समापन हो गया। संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर जिला रेवाड़ी के कुलपति प्रो. जेपी यादव ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के प्रो. रमेश प्रसाद पाठक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 15-06-2022**

जीवन पर्यन्त विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका: प्रो. जे.पी. यादव

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी के कुलपति

2 दिवसीय संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. जे.पी. यादव, (दाएं) संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. जे.पी. यादव को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 14 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में सतत् विकास के लिए शिक्षा पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को सफल समापन हो गया। संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के कुलपति प्रो. जे.पी. यादव ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रमेश प्रसाद पाठक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए आयोजकों की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन सदैव कुछ नया सीखने का अवसर प्रदान करते हैं।

विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.) द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी के समापन सत्र की शुरूआत शैक्षणिक खंड-4 स्थित सम्मेलन कक्ष में विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रतिभागियों को लक्ष्य निर्धारित कर समय का सदुपयोग, शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा व प्रकृति की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण करवाई गई। कुलपति ने सभागार में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को मानव जाति की रक्षा के लिए रक्तदान करने का संकल्प दिलाया। मुख्य अतिथि प्रो. जे.पी. यादव ने सतत् विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके लिए संतुलित ढंग से विस्तृत कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ना होगा और सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय स्तर पर विशेष प्रयास करने होंगे।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सतत् विकास में शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण है। संगोष्ठी के समापन सत्र में विशिष्ट अतिथि प्रो. रमेश प्रसाद पाठक ने अपने संबोधन में भारतीय ज्ञान परम्परा का उल्लेख किया।

समापन सत्र की शुरूआत में शिक्षापीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया, जबकि 2 दिवसीय संगोष्ठी की रिपोर्ट डॉ. आरती यादव ने दी। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. खेराज ने किया। संगोष्ठी के आयोजन में डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव, डॉ. किरण रानी सहित शिक्षा पीठ के सभी शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 15-06-2022**

जीवन पर्यन्त विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका: प्रो. यादव

- हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन
- मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी के कुलपति

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सतत विकास के लिए शिक्षा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को सफल समापन हो गया। संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के कुलपति प्रो. जे.पी. यादव ने शिरकत की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रमेश प्रसाद पाठक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए आयोजकों की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन सदैव कुछ नया सीखने का अवसर प्रदान करते हैं।

विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित इस दो दिवसीय संगोष्ठी के समापन सत्र की शुरूआत शैक्षणिक खंड चार स्थित सम्मेलन कक्ष में विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों व सम्मेलनों के माध्यम से सदैव कुछ नया सीखने का अवसर प्राप्त होता है।

शैक्षणिक संस्थानों में इस आयोजनों की महत्ता सतत विकास के लिए जारी प्रयासों को बल प्रदान करती है। कुलपति ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को लक्ष्य निर्धारित कर समय का सदुपायोग शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा व प्रकृति की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।